अध्याय
08

धर्मनिरपेक्षता

धर्मनिरपेक्षता क्या है?

- धर्मनिरपेक्षता अंग्रेजी के सेक्युलरिज्म शब्द का हिंदी रूपांतरण है। शब्द सेक्युलरिज्म का आविष्कार जी जे हॉलिओक ने किया था। जिसका अर्थ है वर्तमान युग अथवा पीढी
- चैम्बर्स शब्दकोश के अनुसार" धर्मनिरपेक्षता वह विश्वास है जो राज्य नैतिकता, शिक्षा आदि को धर्म से स्वतंत्र रखता है।"
- डॉक्टर राधाकृष्णन के अनुसार "मैं अधिकार पूर्वक कहना चाहता हूं कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ नास्तिकता नहीं है। इसका अर्थ है हम सभी धर्म और मतों का आदर करें, हमारा राज्य किसी धर्म से संबंधित नहीं है।
- महात्मा गांधी के अनुसार "हम सभी धर्मों एवं विश्वासों को समान आदर प्रदान करते हैं अर्थात् सर्वधर्म समभाव में आस्था रखते हैं।"

© JCERT not to be republished

धर्मनिरपेक्षता के आवश्यक तत्व।

- धार्मिक सहिष्णुता से बुद्धिवाद का विकास।
- धार्मिकता की न्यूनता से सांसारिकता लौकिकता पर कम बल।
- समानता और बंधुत्व।
- लचीलापन एवं वैज्ञानिक अवधारणा।

धर्मों के बीच वर्चस्ववाद

- धर्मनिरपेक्षता अंतर धार्मिक वर्चस्व का विरोध करता है।
- अंतः धार्मिक वर्चस्व यानी धर्म के अंदर छुपे वर्चस्व का विरोध करना।
- हिंदू दलितों का मंदिर प्रवेश से रोक।
- महिलाओं का मंदिर प्रवेश से रोक।
- 1984 का सिख दंगा, 2700 से ज्यादा सिख मारे गए।
- हजारों कश्मीरी पंडितों को अपना घर छोड़ने के लिए विवश किया गया जो आज तक नहीं लौट सके।
- 2002 में गोधरा दंगा, जिसमें 1000 से अधिक मुसलमान मारे गए।
- 93 का मुंबई दंगा।

© JCERT not to be republished

धर्मनिरपेक्ष राज्य

- धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य किसी धर्म विशेष को ना तो प्रोत्साहित करेगी और ना ही हतोत्साहित अर्थात् राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करेगी।
- राज्य का अपना कोई राजकीय धर्म नहीं होगा।
- अंतर-धार्मिक वर्चस्व और अंतः धार्मिक वर्चस्व नहीं होगी।
- विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों के बीच सद्भाव होगी संघर्ष एवं हिंसा का अभाव होगा।
- प्रत्येक व्यक्ति एक समान होता है, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति से संबंध रखता हो।
- जनकल्याण पर विशेष जोर।
- विवेक तथा तर्क पर आधारित।
- प्रजातंत्र या लोकतंत्र में विश्वास।

© JCERT not to be republished

धर्मनिरपेक्षता का मॉडल

- भारतीय मॉडल
- पश्चिमी मॉडल
- धर्म और सत्ता के बीच संघर्ष का अभाव।
- सकारात्मक वातावरण।
- नैतिकता का बोध कराता है, सद्गुण और स्वकर्तव्य की बात करता है।
- भारत में राज्य का सक्रिय हस्तक्षेप है।
- संप्रदायिकता का विरोध
- धर्म और सत्ता में बड़ा संघर्ष देखने को मिलता है।
- नकारात्मक वातावरण।
- पारलौकिक सत्ता की बात करता है।
- राज्य का सक्रिय हस्तक्षेप का अभाव।
- धर्म की उपेक्षा।

© JCERT not to be republished

धर्मनिरपेक्षता का यूरोपीय मॉडल (अमेरिकी मॉडल)

- अमेरिका में धर्म के मामले में हस्तक्षेप की नीति को अपनाया गया है।
- राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है और ना ही राज व्यक्तियों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करेगा।
- सभी नागरिकों को अपनी अंतःकरण की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। धर्म को अंतःकरण का विषय माना गया है।
- आलोचना:-

  अमेरिका ने इस नीति को उदारवाद के आधार पर अपनाया है। लेकिन इस प्रकार की नीति से धार्मिक सुधार की संभावनाएं समाप्त हो जाती है, क्योंकि राज्य की धार्मिक मामले में अहस्तक्षेप वादी नीति राज्य को धर्म में फैली को कुप्रथाएं और अंधविश्वासों को समाप्त करने का अवसर नहीं देती।

धर्मनिरपेक्षता का भारतीय मॉडल

- भारत की धर्मनिरपेक्षता धार्मिक वर्चस्व और धर्म के अंदर वर्चस्व दोनों को समाप्त करने के उद्देश्य से अपनाई गई।
- भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान की गई है। जैसे मुस्लिम सिख ईसाई इत्यादि।
- संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 तक धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का वर्णन है।
- अल्पसंख्यकों को शिक्षा एवं संस्कृति संबंधी अधिकार अनुच्छेद 29 एवं 30 में प्रदान किया गया है।
- **भारतीय धर्मनिरपेक्षता की विशेषताएं:-**
  - भारत का कोई राज धर्म नहीं है।
  - राज्य व्यक्ति के निजी धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

© JCERT not to be republished

भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनाएं:-

- भारतीय धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता से भिन्न है, फिर भी कुछ आधारों पर इसकी आलोचना की जाती है।
- धर्म विरोधी
- भारतीय धर्मनिरपेक्षता धार्मिक वर्चस्व का विरोध करती है यह धार्मिक पहचान के लिए खतरा है।
- यह आलोचना तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता धार्मिक पहचान को सुरक्षा प्रदान करती है, ना कि उसके लिए खतरा है, संविधान में मूल अधिकार के अंतर्गत अल्पसंख्यकों की संस्कृति शिक्षा व धर्म को सुरक्षा प्रदान की है।
- पश्चिम से आयातित
- भारतीय धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी मॉडल की देन माना जाता है।
- भारतीय धर्मनिरपेक्षता आयातित नहीं है क्योंकि पश्चिमी देशों में एक ही धर्म के लोगों की अधिकता है। ऐसे में इन देशों ने धर्म के मामले में उदारवादी नीति का अनुसरण करते हुए पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की है। भारत में विविध धर्म के लोग रहते हैं इसलिए भारत में सक्रिय हस्तक्षेप की नीति का अनुसरण किया है।
- अल्पसंख्यकवाद
- भारतीय धर्मनिरपेक्षता अल्पसंख्यकों को संरक्षण प्रदान करती है।
- यह धर्मनिरपेक्षता की मांग है यदि राज्य द्वारा अल्पसंख्यकों को शिक्षा प्राप्त ना हो तो उनकी संस्कृति खतरे में पड़ सकती है। भारतीय संविधान अल्पसंख्यकों को सुरक्षा तो प्रदान करती है, लेकिन बहुसंख्यकों की कीमत पर नहीं।
- अतिशय हस्तक्षेपकारी
- भारत की धर्मनिरपेक्षता धार्मिक मामलों में हमारी स्वतंत्रता को सीमित करती है।
- भारत की धर्मनिरपेक्षता की नीति सक्रिय हस्तक्षेप की नीति है, जिससे धार्मिक स्वतंत्रता बढ़ती है और शांति व्यवस्था कायम रहती है।
- वोट बैंक की राजनीति
- राजनेता लोग धर्मनिरपेक्षता के नाम पर मतदाताओं को लुभाने हेतु अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष सुविधाएं प्रदान करने की घोषणा करते हैं।
- अगर राजनेता अल्पसंख्यक समुदाय के हित में निर्णय लेते हैं तो इसमें गलत क्या है ?क्योंकि इससे अल्पसंख्यक समुदायों का विकास ही होगा।
- एक असंभव परियोजना
- दीर्घकाल तक धर्मनिरपेक्षता भारत में सफल नहीं हो पाएगी, क्योंकि यह बहुत कुछ करना चाहती है, यह ऐसी समस्या का हल ढूंढना चाहती है इसका समाधान है नहीं।

© JCERT not to be republished

कमाल, अतातुर्क की धर्मनिरपेक्षता

- अतातुर्क प्रथम विश्व युद्ध के बाद सत्ता में आए। वह तुर्की के सार्वजनिक जीवन में खिलाफत को समाप्त कर देने के लिए कटिबद्ध थे।
- उन्होंने तुर्की को आधुनिक और धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए आक्रामक ढंग से कदम बढ़ाए।
- उन्होंने खुद का नाम मुस्तफा कमाल पाशा से बदलकर कमाल अतातुर्क कर लिया।
- हैट कानून के जरिए मुसलमानों के द्वारा पहनी जाने वाली परंपरागत फैज टोपी को प्रतिबंधित कर दिया गया।
- हैट कानून के जरिए मुसलमानों के द्वारा पहनी जाने वाली परंपरागत फैज टोपी को प्रतिबंधित कर दिया गया।
- स्त्री पुरुषों के लिए पश्चिमी पोशाकों को बढ़ावा दिया गया।
- तुर्की पंचांग की जगह पश्चिमी ग्रिगोरियन पंचांग लाया गया।
- 1928 ई. में तुर्की वर्णमाला को संशोधित कर लैटिन रूप में अपनाया गया।

© JCERT not to be republished

स्मरणीय तथ्य

- धर्मनिरपेक्षता उस पश्चिमी समाज के आधुनिक दृष्टिकोण के रूप में उभरी जो एक व्यापक सामाजिक ढांचे को अपना रहा था, जिसमें सामाजिक संगठन के प्राचीन और सर्वाधिक पिछड़े सिद्धांत यानी धर्म की भूमिका निरंतर कम होती जा रही थी।
- जैसे-जैसे यूरोप में तर्क और बुद्धिवाद को प्रमुखता मिलती गई वैसे-वैसे धर्मनिरपेक्ष शब्द को विचारधारा तलक स्वरूप मिलता गया।
- धर्मनिरपेक्षता की पहचान धर्म से राज्य के अलगाव के रूप में बनती गई।
- भारत में धर्मनिरपेक्षता का विकास आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन की बढ़ती हुई मांगों के साथ हुआ।
- भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात राष्ट्रीय आंदोलन की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को अपना लिया। व्यवहार में जो धर्मनिरपेक्षता स्वीकार की गई वह गांधीवाद और आमूल परिवर्तनवाद के आदर्शों के बीच एक समझौता के रूप में थी।
- भारत के संविधान में भारतीय धर्मनिरपेक्षता को कानूनी आधार देने के लिए राज्य से धर्म के अलगाव को धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के रूप में महत्व दिया।
- धर्मनिरपेक्षता प्रगति का मार्ग खोलता है, जिस राज्य ने धर्मनिरपेक्षता को अपनाया उसने विस्मयकारी प्रगति की, लेकिन धर्म सापेक्ष राज्य अभी भी पुरानी रूढियों में फंसे हैं तथा वे आतंकवाद को सहारा देकर पड़ोसी एवं विश्व के अन्य देशों के लिए संकट पैदा कर रहे हैं।
- 42 वें संविधान संशोधन 1976 के द्वारा भारत के संविधान में पंथनिरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया।
- गांधी जी ने कहा था कि "मेरे विचार में धर्म हीन राजनीति नहीं हो सकती। ऐसी राजनीति मौत का जाल है जो आत्मा तक का हनन कर देता है।"
- स्मिथ के अनुसार "भारत उसी अर्थ में धर्मनिरपेक्ष राज्य है जैसे कोई कह सकता है कि वह एक लोकतांत्रिक राज्य है।"

© JCERT not to be republished

प्रश्नावली

बहुविकल्पी प्रश्न

1 किस संशोधन के द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है?

a. 61वां संशोधन

b. 42वां संशोधन

c. 50वां संशोधन

d. 44 वां संशोधन

2 गांधीजी के विचार में धर्म का अर्थ है-

a. किसी विशेष प्रकार का पूजा पाठ करना।

b. किसी विशेष पुस्तक में आस्था रखना।

c. किसी विशेष धर्म का गौरव गान करना।

d. सभी धर्मों का सम्मान करना तथा नि:स्वार्थ भाव से मानव जाति की सेवा करना।

3 धर्म सापेक्षवाद का अर्थ है-

a. धर्म व राजनीति का सम्बद्ध होना।

b. किसी धर्म को राजधर्म घोषित करना।

c. प्रशासन को धर्म के अनुसार संचालित करना।

d. उपर्युक्त सभी।

4 तुर्की में किस वर्ष मुस्तफा कमाल ने अपनी सत्ता स्थापित कर देश को धर्मनिरपेक्ष बनाया?

a. 1915 ईस्वी b. 1918 ईस्वी

c. 1919 ईस्वी d. 1920 ईस्वी

5 किस वर्ष भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया?

a. 1949 ईस्वी b. 1950 ईस्वी

c. 1976 ईस्वी d. 1978 ईस्वी

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं?

2 धर्मनिरपेक्षता के आवश्यक तत्वों का वर्णन करें।

3 धर्मों के बीच वर्चस्व वाद से आप क्या समझते हो?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तरीय

1 मुस्तफा कमाल पाशा के धर्म निरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? वर्णन करें।

2 धर्मनिरपेक्षता के पश्चिमी मॉडल और भारतीय मॉडल में पाए जाने वाले प्रमुख अंतरों का वर्णन करें।

© JCERT not to be republished